अध्याय – पंचम

शोध सार, निष्कर्ष एवं सुझाव

क्रमांक	विवरण	पृष्ठ क्रमांक
5.1	प्रस्तावना	46
5.2	शोध कथन	46
5.3	संक्षेपिका	46
5.3.1	अध्ययन के उद्देश्य	47
5.3.2	अध्ययन की परिकल्पनाएँ	47
5.3.3	अध्ययन का सीमांकन	48
5.3.4	शोध के चर	49
5.3.5	शोध उपकरण	49
5.3.6	न्यादर्श चयन प्रक्रिया	49
5.3.7	प्रदत्तो का संकलन	49
5.3.8	प्रयुक्त सांख्यिकीय विधियां	50
5.4	निष्कर्ष	50
5.5	शैक्षिक महत्व	51
5.6	सुझाव	52
5.6.1	भावी शोधार्थियों हेतु सुझाव	53

शोध सार, निष्कर्ष एवं सुझाव

5.1 प्रस्तावना

शिक्षा वह साधन हैं जिसके द्वारा कोई समाज की संस्कृति को जीवित रखता हैं एवं प्रसार करता हैं शिक्षा सामाजिक समस्याओं को समझने एवं सामाजिक तनावों और परिवर्तनों को झेलने के लिए अपरिहार्य हैं शिक्षा व्यक्ति की क्षमताओं को साकार रूप प्रदान करते हुए समाज के सामने उसकी स्वाभाविक योग्यताओं रुचियों समायोजन के स्तर को प्रकट करती हैं. गत वर्ष में शिक्षा के विकास हेतु अथक प्रयासों के बावजूद भी शिक्षा के ढांचे में अधिक परिवर्तन नहीं हो सका है.

5.2 शोध कथन

एस.ओ.एस विद्यालय के छात्रावासी व गैर-छात्रावासी विद्यार्थियों के समायोजन का शैक्षिक उपलब्धियों पर पड़ने वाले प्रभाव का अध्ययन

5.3 संक्षेपिका

सम्पूर्ण शोध प्रबंध को पांच अध्यायों में विभक्त किया गया है, प्रथम अध्याय में शोध परिचय, द्वितीय अध्याय में सम्बंधित साहित्य का पुनरावलोकन, तृतीय अध्याय में प्रयुक्त प्राविधि की रुपरेखा, चतुर्थ अध्याय में तथ्यों का सारणीयन तथा विश्लेषण किया गया, पंचम अध्याय में शोध सार, निष्कर्ष एवं सुझाव तथा अंत में सन्दर्भ ग्रन्थ एवं परिशिष्ट में उपयोग किये गए उपकरण को इंगित किया गया है.

5.3.1 अध्ययन के उद्देश्य

- एस.ओ.एस विद्यालय के छात्रावासी व गैर-छात्रावासी विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि की जानकारी प्राप्त करना.
- एस.ओ.एस विद्यालय के छात्रावासी व गैर-छात्रावासी विद्यार्थियों की हिंदी विषय की शैक्षिक उपलब्धि की जानकारी प्राप्त करना.
- एस.ओ.एस विद्यालय के छात्रावासी व गैर-छात्रावासी विद्यार्थियों की अंग्रेजी विषय की शैक्षिक उपलब्धि की जानकारी प्राप्त करना.
- एस.ओ.एस विद्यालय के छात्रावासी व गैर-छात्रावासी विद्यार्थियों के समायोजन का ज्ञान प्राप्त करना.
- एस.ओ.एस विद्यालय के छात्रावासी व गैर-छात्रावासी विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि तथा समायोजन के मध्य सम्बन्ध की जानकारी प्राप्त करना.
- एस.ओ.एस विद्यालय के गैर-छात्रावासी विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि तथा समायोजन के मध्य सम्बन्ध की जानकारी प्राप्त करना.
- एस.ओ.एस विद्यालय के छात्रावासी विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि तथा समायोजन के मध्य सम्बन्ध की जानकारी प्राप्त करना.

5.3.2 अध्ययन की परिकल्पनाएँ

- एस.ओ.एस विद्यालय के छात्रावासी व गैर-छात्रावासी विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि में सार्थक अंतर नहीं है.
- एस.ओ.एस. छात्रावासी एवं गैर-छात्रावासी विद्यार्थियों की हिंदी विषय की शैक्षिक उपलब्धि में सार्थक अंतर नहीं हैं.
- एस.ओ.एस. छात्रावासी एवं गैर-छात्रावासी विद्यार्थियों की अंग्रेजी विषय की शैक्षिक उपलब्धि में सार्थक अंतर नहीं हैं.

- एस.ओ.एस विद्यालय के छात्रावासी व गैर-छात्रावासी विद्यार्थियों के समायोजन में सार्थक अंतर नहीं है.
- एस.ओ.एस विद्यालय के विद्यार्थियों के समायोजन तथा शैक्षिक उपलब्धि के मध्य सार्थक सम्बन्ध नहीं है.
- एस.ओ.एस विद्यालय के गैर-छात्रावासी विद्यार्थियों के समायोजन तथा शैक्षिक उपलब्धि के मध्य सार्थक सम्बन्ध नहीं है.
- एस.ओ.एस विद्यालय के छात्रावासी विद्यार्थियों के समायोजन तथा शैक्षिक उपलब्धि के मध्य सार्थक सम्बन्ध नहीं है.

5.3.3 अध्ययन का सीमांकन

- यह लघु-शोध मध्य प्रदेश राज्य के भोपाल शहर के एस.ओ.एस हरमन माइनर स्कूल बालग्राम को चयनित किया गया है.
- यह लघु-शोध एस.ओ.एस हरमन माइनर स्कूल बालग्राम भोपाल के छात्रावासी व गैर-छात्रावासी विद्यार्थियों तक ही सीमित है.
- यह लघु-शोध एस.ओ.एस हरमन माइनर स्कूल बालग्राम भोपाल के छात्रावासी व गैर-छात्रावासी विद्यार्थियों की शैक्षणिक उपलब्धियों तक ही सीमित है.
- प्रस्तुत लघु-शोध में केवल चौथी कक्षा के विद्यार्थियों को सम्मलित किया गया है.
- प्रस्तुत लघु-शोध में एस.ओ.एस विद्यालय के छात्रावासी व गैर-छात्रावासी बालक एवं बालिकाओं को ही शोध हेतु चयनित किया गया है.
- प्रसुत किये जा रहे शोध-कार्य हेतु वर्ष 2009-10 का चयन किया गया है.

5.3.4 शोध के चर

- स्वतन्त्र चर - छात्रावासी व गैर-छात्रावासी
- परतंत्र चर - शैक्षणिक उपलब्धि

5.3.5 शोध उपकरण

प्रस्तुत लघु-शोध कार्य हेतु शैक्षणिक उपलब्धि तथा सामंजस्य मापनी उपकरणों का प्रयोग किया गया है

- शैक्षणिक उपलब्धि से : लघु-शोध के अंतर्गत शैक्षणिक उपलब्धि के आंकलन हेतु विद्यार्थियों की पिछले वर्ष अर्थात तीसरी – कक्षा का वार्षिक परीक्षाफल परिणामों को लिया गया है.
- सामंजस्य मापनी से.

5.3.6 न्यादर्श चयन प्रक्रिया

प्रस्तुत लघु-शोध में न्यादर्श चयन हेतु यादृच्छिक विधि का प्रयोग कर मध्य प्रदेश के भोपाल शहर के खजुरी कलां में स्थित एस.ओ.एस हरमन माइनर स्कूल बालग्राम का चयन किया गया है.

5.3.7 प्रदत्तो का संकलन

लघु-शोध के उद्देश्यों को ध्यान में रखते हुए प्रदत्तो का संकलन किया गया है, प्रदत्त संकलन हेतु मध्य प्रदेश राज्य के भोपाल शहर के एस.ओ.एस. विद्यालय का चयन किया गया है तथा इस विशेष विद्यालय से पदत्त संकलन का कार्य संपादित किया गया है.

5.2.8 प्रयुक्त सांख्यिकीय विधियां

शोध कथन से सम्बंधित संकलित प्रदत्तो के सारणीयन करने के उपरांत उनसे उचित परिणाम प्राप्त करने के लिए सांख्यिकीय प्रविधियों का उपयोग किया जाता है, प्रस्तुत लघु-शोध के उद्देश्यों के आधार पर मध्यमान, प्रमाप विचलन, टी-मान परिमान एवं कार्ल-पियर्सन सहसंबंध प्रविधियों को प्रयुक्त किया गया है.

5.4 निष्कर्ष

शोध उपरांत प्राप्त प्रमुख निष्कर्ष निम्नानुसार है

- एस.ओ.एस हरमन माइनर स्कूल बालग्राम भोपाल के छात्रावासी व गैर-छात्रावासी विद्यार्थियों की शैक्षणिक उपलब्धि में सार्थक अंतर प्राप्त नहीं हुआ है.
- एस.ओ.एस हरमन माइनर स्कूल बालग्राम भोपाल के छात्रावासी व गैर-छात्रावासी विद्यार्थियों की विभिन्न विषयों में प्राप्त शैक्षणिक उपलब्धि में सार्थक अंतर प्राप्त हुआ है.
- एस.ओ.एस हरमन माइनर स्कूल बालग्राम भोपाल के छात्रावासी व गैर-छात्रावासी विद्यार्थियों के समायोजन में सार्थक अंतर प्राप्त नहीं हुआ है.
- एस.ओ.एस. हरमन माइनर स्कूल बालग्राम भोपाल के छात्रावासी विद्यार्थियों की शैक्षणिक उपलब्धि एवं समायोजन में सार्थक सम्बन्ध प्राप्त हुआ है.
- एस.ओ.एस. हरमन माइनर स्कूल बालग्राम भोपाल के गैर-छात्रावासी विद्यार्थियों की शैक्षणिक उपलब्धि एवं समायोजन में सार्थक सम्बन्ध प्राप्त हुआ है.
- एस.ओ.एस. हरमन माइनर स्कूल बालग्राम भोपाल के छात्रावासी व गैर-छात्रावासी विद्यार्थियों की शैक्षणिक उपलब्धि एवं समायोजन में सार्थक सम्बन्ध प्राप्त नहीं हुआ है.

5.5 शैक्षिक महत्व

विद्यार्थियों के समायोजन के कारक – पाठशाला, घर एवं मित्र-मंडली तथा शैक्षणिक उपलब्धि के मध्य धनात्मक सहसंबंध प्राप्त हुआ है अतः यह कहा जा सकता है की इस विद्यालय में छात्रावासी विद्यार्थियों को समस्त शिक्षा सुविधाएँ विकास के उचित अवसर समयानुकूल प्रोत्साहन प्रदान किया जाता है. ठीक इसी प्रकार विद्यार्थिओं को समस्त शैक्षिक सुविधाएँ प्रदान कर उनके शैक्षणिक ही नहीं वरन सर्वांगिक विकास को उन्नति के पथ पर अग्रसित किया जा सकता है इस प्रकार असहाय गरीबी-रेखा के निचे जीवन-यापन करने वाले बच्चों को जो कई स्थानीय कारणों से विद्यालयों की पहुँच से वंचित रह जाते हैं को एस.ओ.एस आवासीय विद्यालयों में नामंकित कर शैक्षिक सुविधा प्रदान कर उनके जीवन को संवारा जा सकता है.

इसके अतिरिक्त एस.ओ.एस. विद्यालय के विद्यार्थिओं को सामाजिक परिवेश में समायोजन स्थापित कर विकास के अवसर प्रदान किये जाते हैं चूँकि ये विद्यार्थी समूह में रहकर भवनात्मक सामाजिक समायोजन में दक्षता प्राप्त ही नहीं करते बल्कि व्यवाहरिक गुणों को अपने व्यक्तित्व में चरितार्थ कर स्वयं का ही नहीं बरन संपूर्ण समाज के विकास मै महत्वपूर्ण योगदान प्रदान करते हैं.

इस आवासीय विद्यालय में विद्यार्थों को केवल शैक्षिक मार्गदर्शन ही नहीं बरन व्यावसायिक क्षेत्र में कुशलता प्राप्त करने की शिक्षा भी प्रदान की जाती है ताकि यह विद्यार्थी दूसरों पर आश्रित ना रह कर स्वावलंबी बन सके.

5.6 सुझाव

एस.ओ.एस हरमन माइनर स्कूल बालग्राम भोपाल हेतु सुझावः-

- एस.ओ.एस हरमन माइनर स्कूल बालग्राम भोपाल के विद्यार्थिओं को समय-समय पर (Educational Tour) शैक्षिक भ्रमण पर ले जाने की व्यवस्था होनी चाहिए, जिससे उनके मनोरंजन के साथ-साथ प्रकृति से प्रत्यक्ष सानिध्य हो सके तथा ज्ञानार्जन हो सके.
- एस.ओ.एस. छात्रावासी एवं गैर-छात्रावासी विद्यार्थियों के लिए विद्यालय में मनोरंजनात्मक क्रियाकलाप हेतु बड़े ऑडिटोरियम की व्यवस्था होनी चहिये जिसमे समय-समय पर विभिन्न सांस्कृतिक व शैक्षणिक प्रतियोगिताए आयोजित किया जाना चाहिए.
- विद्यालय परिसर में ही सांस्कृतिक व शैक्षणिक मेले का आयोजन किया जाना चाहिए ज़िसमे शहर के अन्य विद्यालय भी शामिल हो तथा जिसके द्वारा एस.ओ.एस. विद्यालय के छात्र-छात्राओं का अन्य विद्यालयों के विद्यार्थिओं के साथ आपसी सामंजस्य बढ़ सके.
- एस.ओ.एस. विद्यालय के छात्रावासी विद्यार्थिओं को अन्य सामान्य परिवार के लोगों के साथ उनकी सहमति के अनुसार व एस.ओ.एस. मदर की निगरानी में मेलजोल का अवसर भी दिया जाना चाहिये जिससे पारिवारिक व सामाजिक ढांचे का सुसंगत विकास हो सके.
- एस.ओ.एस. विद्यालय के छात्रावासी विद्यार्थियों के लिए स्थाई रूप से छोटे परिवहन जैसे – वैन आदि की व्यवस्था कर आस-पास के क्षेत्र में निवास कर रहें शिक्षकों के द्वारा विषय सम्बन्धी एवं प्रतियोगी परीक्षा सम्बन्धी टयूशन की व्यवस्था की जाना चाहिए.
- एस.ओ.एस.विद्यालय हर संभाग मुख्यालय में खोला जाना चाहिए.
- एस.ओ.एस. विद्यालय में विद्यार्थियों की रूचि के अनुसार व्यावसायिक प्रशिक्षण प्रदान करने की व्यवस्था की जनि चाहिए संस्था में दिए गए प्रशिक्षण कार्यक्रमों के अलावा कोई बड़े स्तर का व्यावसायिक प्रशिक्षण जैसे बांस का काम, कालीन बनाना, मोमबत्ती बनाना, टाइपिंग, पापड़-अचार बनाना, ब्यूटी-पार्लर कोर्स करवाएं जा सकते हैं ताकि ये सब सीखकर वे आत्मनिर्भर बन सकें.

- एस.ओ.एस. बालग्राम में मनोवैज्ञानिक एवं सफल व्यक्तियों के व्याख्यान का आयोजन किया जाना चाहिए इनके लिए अच्छा साहित्य उपलब्ध करवाना चाहिए
- इन विद्यार्थियों के लिए विशेष रूप से नैतिक, धार्मिक एवं यौन-शिक्षा की समुचित व्यवस्था होनी चाहिए
- एस.ओ.एस. संस्था से जाने के बाद ये बच्चे अच्छे नागरिक बन सकें इनका एक पैनल बनाना चाहिए इस पैनल का उपयोग करके एस.ओ.एस. विद्यार्थियों को सही मार्गदर्शन करने के लिए किया जा सकता हैं.

5.6.1 भावी शोधार्थियों हेतु सुझाव :-

- देश के अन्य एस.ओ.एस. विद्यालय के क्रियाकलापों का विश्लेष्णात्मक अध्ययन .
- एस.ओ.एस. विद्यालय का वैयक्तिक अध्ययन .
- एस.ओ.एस. छात्रावासी एवं गैर-छात्रावासी विद्यार्थियों का सृजनात्मक एवं तुलनात्मक अध्ययन.
- एस.ओ.एस. विद्यालय की हाईस्कूल तथा हायरसेकेण्डरी कक्षाओं के विद्यार्थियों का अध्ययन.